

Published Date:	3 Jul 2023	Publication:	Navbharat (Hindi) [Mumbai]
Journalist:	Vishnu Bharadwaj	Page No:	7
Circulation:	135,000		



25 इक्विटी फंडों ने दिया बेंचमार्क से अधिक रिटर्न

25% से लेकर 45% तक का बढ़िया प्रतिफल



44 फंड हाउस की सैकड़ों योजनाएं होने से भ्रम की स्थिति



निवेश से पहले सही स्कीम का चयन जरूरी

करीब 7 महीनों तक एक सीमित रेंज में रहने के बाद शेयर बाजार अब फिर से नई ऊंचाइयों छूने लगा है। अर्थव्यवस्था की विकास गति तेज होने के साथ अधिकांश फंडेटर पॉजिटिव हो गए हैं। जिससे देशी-विदेशी निवेशकों में नए उत्साह का संचार हुआ है और मुख्य

इसी कारण म्यूचुअल फंड

बेंचमार्क से बेहतर रिटर्न और निफ्टी सहित अन्य सूचकांक नए उच्च स्तर पर पहुंचने लगे हैं।

बोते सप्ताह पहली बार सेसेक्स 64,719 अंक और निफ्टी 19,189 के स्तर पर बंद हुए। जिस तरह से सेसेक्स अपने पिछले सर्वोच्च स्तर 63,583 अंक (जो 1 दिसंबर 2022 को बना था) को तेज गति से पार कर 64,000 के आंकड़े के पार हुआ है, उसे देखते हुए लग रहा है कि बाजार में तेजी लंबी चल सकती है। लेकिन निवेशकों को हमेशा यह बात ध्यान में रखनी चाहिए कि शेयर बाजार अनिश्चितताओं भरा बाजार है, जिसमें सीधे निवेश पर जोखिम भी खूब रहता है। जो निवेशक रिसर्च के साथ पूरी जानकारी हासिल कर नियमित अपने इन्वेस्टमेंट को ट्रैक

करता है, वही अच्छा रिटर्न प्राप्त करने में सफल हो सकता है, लेकिन एक रिटेल निवेशक के लिए यह काम काफी मुश्किल होता है। इसलिए रिटेल निवेशक के लिए म्यूचुअल फंडों के जरिए शेयर बाजार में निवेश करना सुरक्षित और सही माना जाता है।

लोकप्रिय होते जा रहे हैं। परंतु भारत में कार्यरत 44 म्यूचुअल फंड कंपनियों (फंड हाउस) की सैकड़ों योजनाएं (फंड) होने के कारण भ्रम की स्थिति भी रहती है क्योंकि सभी स्कीम अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाती हैं। जिन फंड हाउस के पास स्मार्ट फंड मैनेजर्स की टीम है, उन्हीं की स्कीम अच्छा प्रदर्शन कर पा रही हैं। इसलिए म्यूचुअल फंड स्कीमों में भी निवेश से पहले निवेशकों के लिए सोच-विचार जरूरी है। निवेशकों की सुविधा के लिए इस लेख में 'नवभारत' श्रेष्ठ स्कीमों की जानकारी दे रहा है। जिनमें विगत वर्षों में लाखों निवेशकों को बेंचमार्क से अधिक रिटर्न मिला है और अच्छी वेल्थ बनी है।



सेसेक्स-निफ्टी में 22% तो मिडकैप और स्मॉलकैप में 30% आया उछाल

इक्विटी फंडों में सबसे सुरक्षित माने जाने वाली लाज्जकैप फंड स्कीमों के बेंचमार्क मुख्यतः निफ्टी और सेसेक्स माने जाते हैं। विगत 12 महीनों के दौरान सेसेक्स व निफ्टी में 22% की बढ़त दर्ज हुई है। बीएसई मिडकैप और स्मॉलकैप में 30% का उछाल आया है। जबकि लाज्जकैप कैटेगरी में कुछ फंड ही

ऐसे हैं, जिनका रिटर्न निफ्टी से अधिक रहा है।

इसमें नंबर वन 'नवभारत प्लेटिनम अवार्ड' पुरस्कृत निपोन इंडिया लाज्जकैप फंड रहा है, जिसने 32% का जोरदार रिटर्न प्रदान कर निवेशकों को मालामाल किया है। इसके फंड मैनेजर शैलेष राज भाग और आशुतोष भार्गव हैं।

दूसरे स्थान पर एचडीएफसी टॉप फंड रहा है, जिसने 26.4% रिटर्न दिया है। इसके फंड मैनेजर राहुल बैजल हैं।

26.3 प्रतिशत रिटर्न के साथ एडेलवैस लाज्जकैप तीसरे स्थान पर है। इसके फंड मैनेजर भावेश जैन और भरत लाहोटी हैं। जबकि 25.7 प्रतिशत रिटर्न के साथ



एसबीआई ब्लूचिप चौथे स्थान पर

LargeCap Fund :					
Fund Name	1 Year	3 Year	5 Year	10 Year	NAV (Rs.)
Nippon India Large	32%	30.3%	14.4%	16.5%	62
HDFC Top 100 Fund	26.4%	26.7%	13.5%	14.6%	821
Edelweiss Large	26.3%	23.4%	12.5%	14.2%	62
SBI BlueChip Fund	25.7%	25.3%	13.2%	15.7%	70
DSP Top 100 Equity	25.5%	20.1%	10.1%	11.9%	321

Large & MidCap Fund:					
Fund Name	1 Year	3 Year	5 Year	10 Year	NAV (Rs.)
HDFC Large & Mid	30.2%	32%	15.7%	13%	223
Bandhan Core Equity	29.7%	28.3%	12.8%	14.5%	81
SBI Large & MidCap	29.1%	30%	15.9%	17.8%	195
Tata Large & Mid Cap	29%	26.9%	15.9%	16.2%	390
Kotak Equity Opp.	27.8%	25.9%	15.4%	16.9%	228

MidCap Fund:					
Fund Name	1 Year	3 Year	5 Year	10 Year	NAV (Rs.)
HDFC Mid Cap Opp.	42.4%	35.6%	16.8%	21.3%	119
Motilal Oswal Midca	38%	38.8%	18.2%	--	58
Nippon India Growth	33.2%	35.4%	18.3%	19%	2465
Franklin Ind Prima	32.5%	27.2%	12.7%	18.5%	1704
Invesco India Midca	31%	28.8%	16.6%	20.1%	100

SmallCap Fund :					
Fund Name	1 Year	3 Year	5 Year	10 Year	NAV (Rs.)
HDFC SmallCap Fund	45%	43.2%	16.7%	20.1%	94
Franklin Ind Smaller	41%	42%	14.7%	21.4%	112
Quant SmallCap	40.2%	57.7%	25.9%	16.3%	160
Nippon Ind SmallCap	39.7%	46.8%	21.4%	28.1%	109
HSBC Small Cap	34%	43.6%	16.4%	--	55

MultiCap Fund :					
Fund Name	1 Year	3 Year	5 Year	10 Year	NAV (Rs.)
Nippon Ind MultiCap	37.6%	37.8%	16.8%	16.8%	190
ICICI Pru Multicap	28.2%	28.3%	13.7%	16.2%	518
Baroda BNP Pa. Multi	25.9%	29.2%	14.6%	14.8%	189
Invesco Multi Cap	25.5%	26%	12.4%	17.9%	86
Quant Active	24.9%	36.6%	21.5%	21.9%	465



'गार्प' निवेश नीति से सफलता

निवेशकों को बेहतर प्रतिफल प्रदान करने के लिए निपोन इंडिया म्यूचुअल फंड 'ग्रेथ एंड रिजनेबल ग्राइस' (गार्प) की निवेश नीति अपनाता है और यह हमें सफलता भी प्रदान कर रही है, जो हमारी स्कीमों के प्रदर्शन में स्पष्ट दिख रही है। हमारा फोकस हाई ग्रोथ वाले सेक्टर पर ज्यादा है। धरेलू मांग वाले सेक्टर में ग्रोथ तेजी से हो रही है। इसलिए हम धरेलू मांग वाले सेक्टर पर ही फोकस करते हुए बॉटम-अप रिसर्च और रिसर्क मैनेजमेंट पर खास ध्यान दे रहे हैं। हम किसी एक सेक्टर पर ज्यादा ओवरवैट होने की बजाय बैलेंस अप्रोच के साथ हाई ग्रोथ स्टॉक्स में निवेश करते हैं। हम सभी स्कीमों पर बराबर ध्यान देते हैं। इस वजह से हमारे फंडों के प्रदर्शन में निरंतरता बनी हुई है।

-आशुतोष भार्गव, हेड इक्विटी रिसर्च, निपोन इंडिया म्यूचुअल फंड

ग्रोथ और उचित मूल्य वाले क्वालिटी स्टॉक्स पर फोकस

लार्ज कैप फंड कैटेगरी बहुत ही प्रतिस्पर्धी वाली श्रेणी है। इसमें हमारे कोष प्रबंधकों ने बढ़िया प्रदर्शन करते हुए टाटा लाज्जकैप फंड के निवेशकों को अच्छा रिटर्न प्रदान किया है। जबकि टाटा लाज्जकैप फंड तथा टाटा स्मॉलकैप फंड में हम दो तरह के स्टॉक पर ध्यान देते हैं। एक में हम स्टडी कंपाउंडिंग यानी लगातार ग्रोथ वाले हाई क्वालिटी स्टॉक का चयन करते हैं। दूसरे, रिवेटेड स्टॉक यानी अभी जिनमें उतार-चढ़ाव है, लेकिन आगे हाई ग्रोथ की संभावना भरपूर है। ऐसे स्टॉक का चयन करते हैं। लार्ज एंड मिडकैप फंड में यह अनुपात लगभग 50 : 50% रखते हैं। जबकि स्मॉलकैप फंड में 70% रिवेटेड स्टॉक में और 30% स्टडी ग्रोथ वाले स्टॉक में निवेश करते हैं। इसके अलावा हम सभी इक्विटी फंडों में जोखिम कम रखने के लिए ग्रोथ एंड रिजनेबल ग्राइस के आधार पर पोर्टफोलियो बनाते हैं। यानी ग्रोथ और उचित मूल्य वाले स्टॉक्स का ही चयन करते हैं। इसी निवेश नीति की वजह से सभी फंडों का प्रदर्शन अच्छा रहा है और अच्छे रिटर्न की प्राप्ति हुई है।

-आनंद वरदराजन, बिजनेस हेड, टाटा म्यूचुअल फंड

रहा है। इसकी फंड मैनेजर सोहनी अनदांनी हैं।

ये कोष प्रबंधक अपनी सुझाव और चतुराई से निवेश करते हुए बाजार से अच्छा फायदा बटोर कर अपने निवेशकों को खुश कर रहे हैं। एक महत्वपूर्ण तथ्य यह भी है कि सेसेक्स या निफ्टी में शामिल कंपनियों में सीधे निवेश कर इतना

रिटर्न प्राप्त करना मुश्किल होता है क्योंकि सभी शेयर लाभ नहीं देते हैं। जैसे विगत एक साल में सेसेक्स के सभी शेयर फायदे में नहीं हैं। सबसे बड़ी कंपनी रिलायंस के शेयर में तो महज 6% का रिटर्न है। टीसीएस में भी मामूली रिटर्न है। जबकि इंफोसिस और विप्रो में तो 9% से अधिक नुकसान है।